प्रसार भारती
आकाशवाणी शिमला
21.05.2025 / प्रादेशिक समाचार / 18:00बजे

प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल राजस्थान के बीकानेर से एक सौ 3 अमृत भारत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत इन स्टेशनों को अपग्रेड और पुनर्विकसित किया गया है। इन स्टेशनों को क्षेत्रीय संस्कृति और विरासत प्रदर्शित करते हुए शहर के केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। इन स्टेशनों में कांगड़ा जिला में बैजनाथ–पपरोला रेलवे स्टेशन भी शामिल है। उत्तर रेलवे के जम्मू संभाग के वरिष्ठ वाणिज्य मंडल प्रबंधक उचित सिघंल ने बताया कि 8 करोड़ रूपये की लागत से पुनर्विकसित बैजनाथ पपरोला रेलवे स्टेशन में कई आधुनिक सुविधाएं सृजित की गई हैं जिससे स्थानीय लोगों सहित पर्यटकों को भी सुविधा होगी।

हिमाचल प्रदेश के बैजनाथ पपरोला रेलवे स्टेशन का पुनर विकास कार्य पूर्ण हो चुका है; जो की लगभग आठ करोड की लागत से पुनः विकसित किया गया है। इसका माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा कल वीडियो कान्फ्रेन्स के माध्यम से उद्घाटन किया जाएगा। यह स्टेशन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि धार्मिक स्थल एवं सांस्कृतिक स्थल इसकी परिधि में हैं। इस स्टेशन पर पुन:विकास के तहत दिव्यांगजनों की सुविधाओं के अनुकूल बनाया गया है। इस स्टेशन पर प्रवेश द्वार पर रेंप का विकास, नवीनी कृत शौचालये , जल बूथ , कोच गायडेंस सिस्टम, नवीनी कृत रेस्ट रूम, वेटिंग रूम वे कार्यकारी लाउंज आधी सुविधाएं प्रदान की गई हैं। इससे यात्रियों को बहतर सुविधा मिल पाएगी।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तुर्कीए से सेब के आयात को हतोत्साहित करने और हिमाचल के सेब उत्पादकों के हितों की रक्षा करने के लिए सेब पर आयात शुल्क 50 प्रतिशत से बढ़ाकर कम से कम सौ प्रतिशत करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि आयातित सेब पर मात्रात्मक प्रतिबंध भी लगाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेब राज्य की प्रमुख नकदी फसल है और इससे लगभग 4 हज़ार 5 सौ करोड़ रुपये की वार्षिक आय अर्जित होती है। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हाल ही के वर्षों में भारतीय बाजारों में तुर्कीए के सेबों की भरमार देखने में आई है और यह देश के सेब उत्पादकों के लिए चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तुर्कीए के सेबों की अधिकता से न केवल स्थानीय सेब उत्पादक प्रतिस्पर्धात्मक रूप से कमज़ोर होते हैं, बल्कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और केंद्र शासित जम्मू–कश्मीर के छोटे और सीमांत सेब उत्पादकों की आजीविका पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि आगामी दिल्ली दौरे के दौरान वह व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री से तुर्कीए से खरीदे जा रहे सेब पर आयात शुल्क बढ़ाने का मुद्दा उठाएंगे।

प्रधानमंत्री से 24 तारीख को नीति आयोग की बैठक है। उसमें प्रधानमंत्री जी आएंगे। उसके बाद मेरे को कल फोन आया। मैं शाम को उनसे मिल रहा हूं और जो तुर्की का सेब हिंदुस्तान में आ रहा है उस पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने की हम बात करेंगे क्योंकि हमारे बागबान जो है वह जो बाहर से सेब आता तो उसका प्रभाव पड़ता है और जो हमारी आर्थिकी मैं बागबान का बहुत बड़ा योगदान है। बागवानो की रक्षा करना हमारा दायित्व भी है फर्ज भी बनता है और हम इस दृष्टिकोण से मैं उनसे भी बात करूंगा और मेरे मुझे लगता है कि हम इसमें आगे बढ़ेंगे

पुण्यतिथि

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आज पुण्यतिथि है। इस उपलक्ष्य पर कई कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रंद्धाजलि अर्पित की गई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने छोटा शिमला स्थित सद्भावना चौक में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए राजीव गांधी के विजन को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि राजीव गांधी ने देश में सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति का मजबूत आधार रखा, जिसके सकारात्मक परिणाम वर्तमान पीढ़ी को मिल रहे हैं।

इस अवसर पर उप–मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल, राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी और लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। उधर चंबा ज़िला मुख्यालय में भी पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कृषि व पशुपालन मंत्री चंद्र कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और देश के लिए दिए गए उनके योगदान को याद किया।

विमल नेगी

बहुचर्चित विमल नेगी मृत्यु मामले में प्रदेश उच्च न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। मामले को लेकर आज हाईकोर्ट में न्यायाधीश अजय मोहन गोयल की अदालत में सुनवाई हुई, जिसके बाद कोर्ट ने अपना फैसला 23 मई के लिए सुरक्षित रखा है।